विश्व की अनोखी नदियाँ

[स्रोत: पीआर](#)

- **कैनो क्रिस्टल्स नदी, कोलंबिया:** इसे **"पाँच रंगों की नदी" के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि जुलाई और नवंबर** के बीच इसका रंग पीला, हरा, काला, लाल और नीला हो जाता है।
    - इसका कारण है **राइनकोलैसिस क्लैविगेरा**, एक **जलीय पौधा** जो सूर्य के प्रकाश और जलीय परिस्थितियों के साथ अपना रंग बदलता रहता है।
- **शनय-तिंपिश्का नदी, पेरू: इसे ला बोम्बा** के नाम से भी जाना जाता है, यह **विश्व की सबसे बड़ी तापीय और एकमात्र उबलती (तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से 100 डिग्री सेल्सियस)** नदी है।
    - यह इसका जल **गहरे भूतापीय परिसंचरण द्वारा गरम होता है** , जहाँ वर्षा का पानी भूमिगत रूप से रिसता है तथा गर्म होकर पुनः सतह पर आ जाता है।
- **हमज़ा एक्वीफर (हमज़ा नदी):** लगभग 4 किमी गहरा और 6,000 किमी लंबा, हमज़ा एक्विफर (जिसे हमज़ा नदी के नाम से भी जाना जाता है) अमेज़न नदी के नीचे एक **विशाल भूमिगत एक्विफर** है, जो छिद्रयुक्त चट्टानी संरचनाओं के माध्यम से अत्यंत धीमी गति से बहता है।
- **कियानतांग नदी, चीन:** यह नदी **सिल्वर ड्रैगन** के लिये प्रसिद्ध है, जो **विश्व की सबसे बड़ी ज्वारीय नदियों में से एक है,** जहाँ **समुद्री ज्वार 40 किमी/घंटा** की गति से ऊपर की ओर उठता है, **जिससे विशाल लहरें** उत्पन्न होती हैं जो सर्फिंग के लिये आदर्श वातावरण प्रदान करती हैं।
- **डाल्डीकन नदी, रूस: निकिल और भारी धातुओं के संदूषण** के कारण इसका जल **रक्त की तरह लाल** हो गया है।
- **ओनिक्स नदी, अंटार्कटिका:** महाद्वीप की **सबसे लंबी नदी (32 किमी), जो राइट वैली ग्लेशियरों** से पिघली बर्फ के पानी के साथ **केवल गर्मियों** में वांडा झील की ओर अंतर्देशीय रूप से प्रवाहित होती है।

और पढ़ें: [भारत की सीमा पार नदियाँ](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/unusual-rivers-around-the-world